राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदुस्तानी संगीत
पाठ 10 : हिन्दुस्तानी संगीत के प्रणेता- पं.विष्णु नारायण भातखंडे
तथा पं.विष्णु दिगंबर पलुस्कर
कार्यपत्रक - 10

1. 'पं.भातखंडे तथा पं.पलुस्कर के प्रयत्नों से हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत जनसाधारण में लोकप्रिय हो पाया'। इस वाक्य की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।
2. पं.भातखंडे कृत क्रमिक पुस्तक मालिका श्रृंखला के संकलन की मूल भाषा की पहचान कीजिये। यह श्रृंखला कितने भागों में उपलब्ध है, स्पष्ट कीजिये।
3. पं.भातखंडे और पं.पलुस्कर प्रत्येक द्वारा आरंभ की गयी एक पत्रिका की पहचान कीजिये।
4. पं.भातखंडे और पं.पलुस्कर प्रत्येक द्वारा आरंभ किये गये एक संस्थान की पहचान कीजिये।
5. पं.भातखंडे के दस ठाठों का उल्लेख कीजिये।
6. 'पं.पलुस्कर ने भक्ति के समावेश हेतु बंदिशों को पुनर्निर्मित किया'। उक्त कथन की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।
7. पं.भातखंडे और पं.पलुस्कर के बीच तीन समानतायें लिखिए ।
8. पं.भातखंडे और पं.पलुस्कर के प्रयत्नों के कारण हिन्दुस्तानी संगीत जगत में पुनर्जागृति का संचार हुआ'। इस वाक्य का अपने शब्दों में औचित्य स्पष्ट कीजिये।
9. पं.भातखंडे जिस व्यवसाय के लिये प्रशिक्षित हुए थे उसकी पहचान कीजिये।
10. पं.भातखंडे ने विभिन्न घरानों की बंदिशों को उनके द्वारा निर्मित एक स्वरलिपि पद्धति के अनुसार संकलित किया। उस स्वरलिपि पद्धति की पहचान कीजिये।